साना-साना हाथ जोड़ि .....

- मधु कांकरिया

मोड्यूल-1

पाठ का सार

साना-साना हाथ जोड़ि ...

नामक यह पाठ एक यात्रा वृतान्त है, जिसमें लेखिका ने भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में स्थित सिक्किम की राजधानी गंतोक (गैंगटॉक) का ऐसा सजीव वर्णन किया है कि चलचित्र की भाँति एक-एक कर सारे दृश्य हमारी आँखों के सामने साकार हो उठते हैं। लेखिका ने पहाड़ी लोगों के जीवन का वर्णन करते हुए श्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला है। इस पाठ में गंतोक के प्राकृतिक दृश्य तथा हिमालय के अद्भुत सौन्दर्य का ऐसा सुंदर वर्णन है, जिसे पढ़कर मन अभिभूत हो उठता है।

रात्रि में गैंगटॉक का अद्भुत सौंदर्य

लेखिका ने रात्रि में जब सिक्किम का गैंगटॉक शहर देखा तो उसकी सुंदरता देखती ही रह गई। उसने देखा कि जैसे आसमान उलट गया है और सारे तारे बिखरकर टिमटिमा रहे हों दूर आसमान में तारों के गुच्छे झालर-सी बना रहे थे। गैंगटॉक मेहनतकश बादशाहों का सुंदर शहर था, जिसमें सुबह, दोपहर, शाम सब कुछ सुंदर था। लेखिका इस सौंदर्य में डूब गई थी। उसके होठों को एक प्रार्थना छूने लगी – "साना-साना हाथ जोड़ि गर्दहु प्रार्थना। हाम्रो जीवन तिम्रो कौसेली।" यह प्रार्थना उसने आज ही एक नेपाली युवती से सीखी थी।

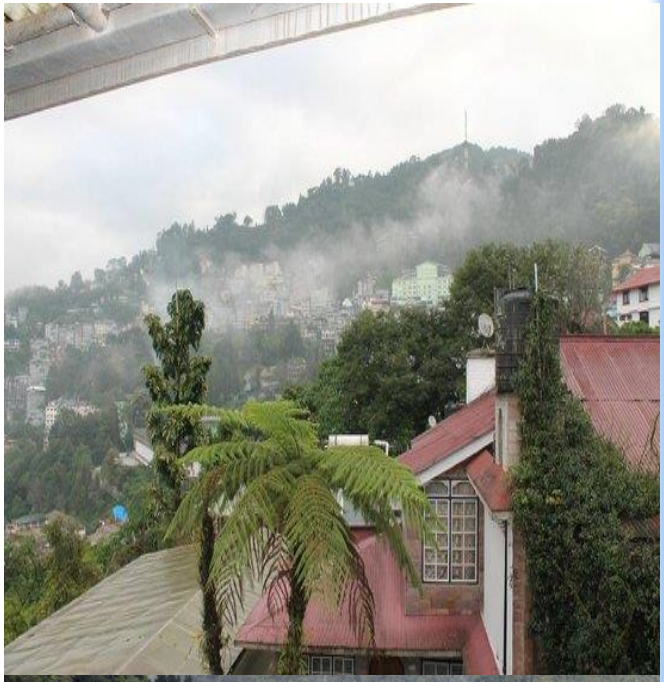

लेखिका भागी बालकनी की ओर

लेखिका को सवेरे यूमथांग जाना था। आँख खुलते ही वह बालकनी की ओर भागी क्योंकि मौसम साफ होने कारण यहाँ से हिमालय की तीसरी सबसे ऊँची चोटी कंजनजंघा दिखाई दे रही थी, पर बादल होने के कारण पिछले साल की भाँति इस साल भी कंचनजंघा की चोटी साफ दिखाई नही दी। सामने के ढ़ेर सारे फूलों को देखकर लेखिका को ऐसा लगा जैसे वह बहार में आ गई।

यूमथांग मार्ग के मनोहारी दृश्य

यूमथांग अर्थात् घाटियाँ, गैंगटॉक से 149 किलोमीटर थी, जिसके रास्ते में हिमालय की घाटियाँ और फूलों से लदी वादियाँ थीं। लेखिका ने ड्राईवर कम गाइड जितेन नार्गे से पूछ रही थी, 'क्या वहाँ बरफ मिलेगी ?' जितेन ने संक्षिप्त सा उत्तर दिया, "चलिए तो..."

कतार में लगी सफ़ेद बौद्ध पताकाएँ

रास्ते में पाईन और धूपी के पेड़ों के सौंदर्य का आनन्द उठाती लेखिका ने एक जगह कतार में लगी सफ़ेद बौद्ध पताकाएँ देखीं। मंत्र लिखी ये बौद्ध पताकाएँ शांति और अहिंसा की प्रतीक थीं। नार्गे बता रहा था कि किसी बुद्धिष्ट की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी पवित्र स्थान पर 108 पताकाएँ फहराई जाती हैं। इन्हें उतारा नहीं जाता, ये अपने आप नष्ट हो जाती हैं। इसी तरह किसी नये कार्य की शुरुआत में रंगीन पताकाएँ फहराई जाती हैं। लेखिका ने नार्गे की जीप और वहाँ की दुकानों में टँगी दलाई लामा की फोटो भी देखी।

थोड़ा और बढ़ने पर 'कवी-लोंग स्टॉक' नामक स्थान देखा जहाँ गाइड फ़िल्म की शूटिंग हुई थी। उसी रास्ते पर उसने एक कुटिया में घूमता हुआ धर्मचक्र देखा, जिसे घुमाने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।

शब्दार्थ

तराई - पहाड़ो के बीच की समतल जगह, झालर – लड़ियाँ
संधि-स्थल – मिलने का स्थान, मेहनतकश – परिश्रमी
रहस्यमयी – रहस्य से भरपूर, सितारे – तारे, कदर – तरह
सम्मोहन – अपनी ओर खींचने का भाव, अतीन्द्रियता – इंद्रियों से परे
उजास – प्रकाश, साना-साना – छोटे-छोटे, गर्दहु – करता हूँ,
तिम्रो कौसेली – अच्छाइयों को समर्पित हो, कपाट – दरवाजा
रकम-रकम - भाँति-भाँति के, गहनतम – बहुत अधिक गहरा
बचकाने – बच्चों जैसे, गदराए – भरे हुए, जायजा – अनुभव और अनुमान
बुद्धिष्ट – बुद्ध धर्म को मानने वाला, श्वेत – सफ़ेद, हिचकोले – धक्के
स्मारक – यादगार, सुदीर्घ – लंबे समय तक, अवधारणाए–मानसिक विचार
रफ़्ता-रफ़्ता – धीरे-धीरे, परिदृश्य – चारो ओर के नज़ारे, ओझल – गायब
विराट – विशाल, तीर्थाटनियों – तीर्थ यात्रियों, काम्य – जिसकी कामना की जाए
परिवर्तित – बदला हुआ, वीरान – सुनसान, करिश्मा – जादू, सघन – घनी
वादियाँ – पर्वतों के बीच खूबसूरत जगह